भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **861** जिसका उत्तर

शुक्रवार, 26 जुलाई, 2024/4 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाना है

चाबहार बंदरगाह का विकास

† 861. श्री पुट्टा महेश कुमार :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ईरान में चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है तथा इसके कब तक पूरा होने की संभावना है;

(ख) चाबहार बंदरगाह, विशेष रूप से शाहिद बेहस्ती बंदरगाह टर्मिनल के विकास और पूरा होने के प्रयोजनों के लिए आवंटित/ उपयोग की गई कुल धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) चाबहार बंदरगाह के पूरी तरह कार्यात्मक हो जाने पर तथा भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारे के लिए समुद्री व्यापार और वाणिज्यिक आय में संभावित वृद्धि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने अन्य देशों के बंदरगाहों के लिए इसी प्रकार के विकास आधारित समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उनके विकास की स्थिति क्या है और विकास के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): भारत सरकार ने दीर्घावधिक मुख्य निविदा (लॉन्ग टर्म मेन कॉन्ट्रैक्ट) के अनुसार इस पर हस्ताक्षर होने की तारीख अर्थात् 13.05.2024 से 10 वर्षों की अवधि के लिए सामान्य कार्गो और कंटेनर टर्मिनल को उपस्करों से सुसज्जित करके और प्रचालन करते हुए चाबहार, ईरान स्थित शाहिद-बेहेश्ती पत्तन को विकसित करने का कार्य शुरू कर दिया है।

(ख): वित्त वर्ष 2016-17 से वित्त वर्ष 2023-24 तक कुल 400 करोड़ रु. आबंटित किए गए हैं। चाबहार के शाहिद बेहेश्ती पत्तन के विकास के लिए अब तक उपयोग की गई राशि 201.51 करोड़ रु. है।

(ग): इस पत्तन पर 2023-24 में जलयान यातायात में 43% की वृद्धि और कंटेनर यातायात में 34% वृद्धि देखी गई है। ऐसा माना जाता है कि पत्तन के पूर्णतया कार्यात्मक हो जाने पर समुद्री व्यापार और वाणिज्यिक आय में पर्याप्त वृद्धि होगी।

(घ): जी, हां। म्यांमार के साथ इसी प्रकार के विकास आधारित करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं। वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए सितवे (म्यांमार) के लिए 90 लाख रु. की धनराशि आबंटित की गई है।

*****